बर्दवान
आसनसोल
दुर्गापुर
रानीगंज

शिल्पांचल
卐 ।। श्री हरिः ।। 卐
सन्मार्ग
नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

बंगाल से प्रकाशित पूर्वी भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक
शनि वार
बंगाल
12 मई, 2018
शुद्ध ज्येष्ठ कृष्णपक्ष द्वादशी 12, विक्रम संवत् 2075
वर्ष 73, अंक 48, पूर्णांक 25150
मूल्य 5.00 रु., कुल पेज 16
www.sanmarg.in

अज्ञात व्यक्ति की मौत : सालानपुर रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार की रात 1 ट्रेन से लगभग 40 वर्षीय 1 अज्ञात व्यक्ति के गिरने से घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। जीआरपी ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्ट मार्टम के लिए जिला अस्पताल में भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पायी है।

आसनसोल

राहगीर की मौत : आसनसोल उत्तर थाना अंतर्गत सीतला गांव निवासी संजीत ठंडर (40) गुरुवार की रात पैदल रिलायंस टावर के पास एनएच 2 पार कर रहा था। उसी दौरान 1 अज्ञात वाहन उसे धक्का मार फरार हो गया। घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्ट मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

आसनसोल : दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल में कक्षा प्री नर्सरी से तीसरी तक के छात्रों के लिए समर कैम्प का आयोजन किया गया। समर कैम्प के दौरान बच्चों के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों की रूचि, मनोरंजन, स्वास्थ्य और बौद्धिक स्तर में वृद्धि के उद्‌देश्य को पूर्णतया ध्यान में रखकर तैराकी, नृत्य, गायन व संगीत तथा नाटक जैसी गतिविधियों को रखा गया। इसका उद्‌देश्य था कि समय – समय पर इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन कर प्रतिदिन के क्रिया – कलापों से कुछ दूर होकर 1 बार फिर स्वयं को नए जोश के साथ नए कार्य करने के लिए तैयार करने में मदद मिलती है। झुलसती धूप में गर्मी से बेहाल बच्चों ने तरणताल में मद्धम-मद्धम संगीत की धुनों के बीच जल क्रीड़ा का भरपूर आनन्द लिया। गर्मी से राहत के लिए पानी में डुबकियां लगाने के साथ – साथ बच्चों ने संगीत लहरी पर नृत्य भी किया। एक दूसरे पर पानी की बौछार कर छात्रों ने अपनी खुशी का प्रदर्शन किया। पानी की उठती- गिरती तरंगों के साथ छेड़छाड़ करते हुए नन्हें – मुन्नों की खुशी का माहौल देखते ही बनता था। पानी में गेंद को उछाल - उछाल कर खेलते हुए बच्चे ऐसे लग रहे थे मानों अपनी आने वाली छुट्टियों का स्वागत कर रहे हों। वहीं तैराकी के साथ – साथ छात्रों ने शास्त्रीय एवं पाश्चात्य नृत्य व गायन के गुर भी सीखे। 'भोली सूरत जान के हमको.......' जैसे गीतों का गायन भी किया। छात्रों ने कविता गायन और श्रवण का भी आनंद लिया जिसने बच्चों की खुशी में चार चांद लगा दिए। विद्यालय में कार्टून फिल्मों को दिखाने की भी व्यवस्था की गई जिनके मजाकिया पात्रों ने बच्चों को खूब गुदगुदाया। आमोद – प्रमोद के खुशनुमा माहौल में समर कैम्प के प्रथम दिवस का समापन हुआ।

तैराकी का प्रशिक्षण लेते बच्चे